RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

# महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 22 | अंक 03 | मुंबई, 05 जनवरी 2023 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

## मुंबई और उपनगरों में बड़ी तेजी से फैल रहा है

# अवैध ऑनलाईन लॉटरी माफियाओं का जाल

**महाराष्ट्र क्राइम्स सवाददाता**

**मुंबई :** उपनगर में अवैध ऑनलाइन लॉटरी का जाल बडी तेजी से फैल रहा है. मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, भिवंडी, कल्याण आदि शहरों में बड़े पैमाने पर यह कारोबार घुल्लडे से चल रहा हैं। ऐसा लगता है कि, लॉटरी माफियाओं को पुलिस कार्रवाई का कोई डर नहीं रहा . ऑनलाइन लॉटरी की लत के कारण कई लोगों का जीवन बर्बाद हो रहा है। साथ ही इस अवैध लॉटरी से मले ही राज्य को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हो रहा हो, लेकिन लॉटरी माफियाओं के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया जा रहा है. वही राज्य सरकार के राजस्व विभाग की हानि के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चों कं जीवन पर इसका बुरा प्रभाव पड रहा है . राज्य सरकार ने देश सहित ऑनलाइन लॉटरी कारोबार पर पूरी तरह रोक लगा दी है. लेकिन कुछ लॉटरी माफिया बिना कानून के डर के इस धंधे को चला रहे हैं. अवैध ऑनलाइन लॉटरी माफिया महाराष्ट्र सहित मुंबई और भारत

के लोगों से अरबों रुपये लूट रहे हैं। चूंकि इन अवैध लॉटरी माफियाओं के खिलाफ कोइ सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है और उन्हें अदालतों से तुरंत जमानत मिल रही है, इसलिए लॉटरी का यह कारोबार बढ़ने लगा है। नासिक जिला पुलिस आयुक्त ने महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर लॉटरी माफियाओं के खिलाफ एमपीडीए और मक्कोका के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की है. और सभी अवैध लॉटरी सचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की हैं. इससे अनेक लोगों का पारिवारिक जीवन बर्बाद हो रहें है। बताया जा रहा है कि बहुत से लोगों ने अवैध ऑनलाइन लोट्री में भारी मात्रा में पैसा खोने के बाद आत्महत्या कर लीं है।

कई स्कूली बच्चे और कॉलेज के छात्र बिना स्कूल और कॉलेज जाए ऑनलाइन लॉटरी खेल रहे हैं. प्लेटिनम, जीसी कूपन, कौशल गेम, गोल्डन लकी कूपन, एमएस लकी कूपन, जिसे फन गेम, कैसीनों रूलेट सिटी, लूडो मास्टर, किशोर पट्टी लूडो, लोटस जैसी लॉटरी खेल कर अपना जीवन बर्बाद कर रहें है. वहि मुंबई के लोग इस बात से हैरान हैं कि लॉटरी माफिया के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई क्युं नहीं की जा रही है.

## सस्ते दर पर सोना देने के नाम पर झोल, गोली मार कर हत्या

**नई मुंबई,** सस्ते दर पर सोना देने के नाम पर झोल करना पुणे के एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। उसने पनवेल के एक व्यक्ति के साथ ठगी करने की कोशिश की लेकिन दो लोगों ने उसके सीने में गोली मारकर मौत की नींद सुला दी। हत्या के बाद दोनों आरोपी मुंबई-गोवा महामार्ग के कनार्ला पक्षी अभ्यारण्य के पास ऑडी कार में शव

रखकर फरार हो गए थे। हालांकि, दोनों आरोपियों को क्राइम ब्रांच यूनिट-२ ने गिरफ्तार कर लिया है।

क्राइम ब्रांच यूनिट-२ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र पाटील ने बताया कि पुणे के रहने वाले संजय मारुति कार्ले की हत्या करने के आरोप में मोहसीन हमीद मुलाणी (३७) और अंकित राजेंद्र कांबले उर्फ साईं (२९) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि १८ नवंबर २०२२ को कनार्ला अभ्यारण्य के पास ऑडी कार में कार्ले का शव बरामद किए जाने के बाद पनवेल पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र पाटील ने बताया कि मृत कार्ले आपराधिक पृष्ठभूमि का है, वो आरोपी मोहसीन को सस्ते दर पर सोना देने का झांसा दिया था। इसके लिए कार्ले पुणे से पनवेल उससे मिलने आया और सोना देकर पैसा लेने वाला था। इसके लिए जब मोहसीन ने सोना दिखाने को कहा तो कार्ले उसे घुमाने लगा। इस दौरान मोहसीन और कार्ले के बीच विवाद हुआ। यह विवाद इतना बढ़ गया कि मोहसीन ने अपने पास रखे रिवाल्वर से कार्ले को गोली मार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद ऑडी कार में भरकर मुंबई-पुणे महामार्ग के कनार्ला अभ्यारण के पास गाड़ी छोड़कर फरार हो गए थे।

## क्राइम ब्रांच की यूनिट 10 की बड़ी कार्रवाई

# 80 लाख रुपये के नकली नोट जब्त

**संवाददाता**

**मुंबई, मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 10 ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. क्राइम ब्रांच यूनिट ने 80 लाख रुपये के नकली नोट जब्त किए हैं. इसके साथ ही उन्होंने एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम सौजन्य भूषण पाटिल है.**

मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नकली नोट लेकर आ रहा है. इसके बाद यूनिट ने पूरी घटना को अंजाम दिया. सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच की टीम ने मुंबई के पवई में अंबेडकर गार्डन के पास साकी विहार रोड पर व्यक्ति को पकड़ने के लिए जाल बिछाया.

इस दौरान पवई में यूनिट ने देखा कि बाइक एमएच-48-एजेड-1576 (MH-48-AZ-1576) पर लाल रंग की बैग के साथ एक व्यक्ति संदिग्ध रूप से खड़ा है. जिसके बाद पुलिस ने पूछताछ करने के बाद उसे हिरासत में लेकर उसके बैंक की जांच की. इसमें पुलिस को नकली नोट मिले हैं. पुलिस ने बताया कि बरामद

नकली नोटों की कीमत 80 लाख रुपये हैं.

इस दौरान पुलिस ने यह भी बताया कि बैग में 500 रुपये के नकली भारतीय नोट हैं. इसकी जांच की गई तो 500 रुपये के नोटों के 160 बंडल मिले. इन 160 बंडल में से प्रत्येक बंडल में 500 रुपये के 100 नोट समेत कुल 16000 के नोट मिले. पवई थाने में संदिग्ध आरोपी भूषण पाटिल के खिलाफ नकली नोट रखने और उन्हें प्रसारित करने की कोशिश करने का मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है.

**पुलिस कर रही है मामले की गहनता से जांच...**

कर रही हैवहीं, पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने पहले नकली नोट कहां खर्च किए और उसके साथ और कौन-कौन शामिल हैं.

## संपादकीय

# गलत इतिहास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के बेटों के बलिदान का सम्मान करने के उद्देश्य से आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में यह सही कहा कि हमें इतिहास के नाम पर गढ़ा हुआ विमर्श पढ़ाया जाता रहा। वह यह बात पहले भी कई अवसरों पर कह चुके हैं। उनके अतिरिक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इतिहास लेखन की विसंगतियों का उल्लेख कर चुके हैं। जैसे प्रधानमंत्री ने वीर बाल दिवस के अवसर पर कहा कि गलत तरीके से पढ़ाए जाने वाले इतिहास को बदलने की आवश्यकता है, वैसे ही अनेक केंद्रीय मंत्री भी इस पर बल दे चुके हैं। इस सबके बाद भी इतिहास लेखन की विसंगतियों को दूर करने और विशेष रूप से संकुचित एवं एकतरफा दृष्टिकोण वाले इतिहास को बदलने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा सके हैं। परिणाम यह है कि तथ्यों की अनदेखी करने वाला इतिहास अभी भी पाठ्यक्रम का हिस्सा है। यह किस हद तक है, इसका प्रमाण इससे मिलता है कि प्रधानमंत्री ने जिस क्रूर औरंगजेब की दरिंदगी की चर्चा की, उसके बारे में इतिहास की कई किताबें यह बताती हैं कि वह एक दयालु शासक था। आखिर उसके दुष्कृत्यों पर कब तक पर्दा डालकर भावी पीढ़ी से वास्तविकता छिपाई जाती रहेगी? वास्तव में ऐसे एक नहीं, अनेक प्रश्न हैं। कुछ प्रश्न तो ऐसे हैं, जो न जाने कब से पूछे जा रहे हैं, लेकिन उनका उत्तर मिलने का नाम नहीं ले रहा है। सभी इससे अवगत हैं कि देश के इतिहास के नाम पर छात्रों को दिल्ली का इतिहास अधिक पढ़ाया जाता है। इसके चलते दिल्ली पर शासन करने वाले शासकों के बारे में तो विस्तार से पढ़ाया जाता है, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों और विशेष रूप से दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के अनेक प्रतापी राजाओं एवं योद्धाओं के बारे में सामान्य जानकारी भी नहीं दी जाती। कम से कम अब तो इतिहास को समावेशी रूप में समग्रता से पढ़ाने के उपाय किए ही जाने चाहिए।

ध्यान रहे कि पाठ्यक्रम परिवर्तन की दिशा में वैसे प्रयत्न नहीं हुए हैं, जैसे अब तक हो जाने चाहिए थे। उचित यह होगा कि सरकार अपने स्तर पर यह पहल करे कि इतिहास का पाठ्यक्रम प्राथमिकता के आधार पर संशोधित-परिवर्तित किया जाए। इसका कोई अर्थ नहीं कि अंग्रेजों अथवा उनसे प्रभावित वामपंथी इतिहासकारों की ओर से लिखा गया इतिहास स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद भी पढ़ाया जाता रहे-और वह भी तब जब हमारे नीति-नियंता यह मान रहे हैं कि इतिहास को लेकर एक ऐसा विमर्श गढ़ा गया, जो हमारे अंदर हीन भावना पैदा करे। इतिहास लेखन में सुधार केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए कि वह गलत तरीके से लिखा गया, बल्कि इसलिए भी किया जाना चाहिए, क्योंकि किसी राष्ट्र के मूल्य तब सुरक्षित रहते हैं, जब वर्तमान पीढ़ी के सामने अतीत के आदर्श स्पष्ट रहते हैं।

# भारत-पाकिस्तान ने परमाणु ठिकानों की लिस्ट शेयर की

**नई दिल्ली.** भारत-पाक ने एक दूसरे की जेलों में बंद नागरिकों और मछुआरों की सूची भी एक दूसरे को सौंपी है. विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को बताया है कि उनके 434 भारत की जेलों में बंद हैं. इनमें 3399 नागरिक और 95 मछुआरे हैं. पाकिस्तान ने भी 705 भारतीय कैदियों की लिस्ट शेयर की है. इसमें बताया गया है कि 51 नागरिक और 654 मछुआरे उनकी जेलों में बंद हैं. भारत ने पाकिस्तान से अपनी भारतीय कैदियों को जल्द से जल्द रिहा करने के मांग की है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि जिनकी सजा पूरी हो चुकी है और कंफर्म हो चुका है कि भारतीय हैं तो उन्हें रिहा कर दें. दोनों देशों के बीच 2008 में कॉन्सुलर एक्सेस समझौता हुआ था. इसके तहत दोनों देश हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को अपने यहां बंद एक दूसरे के नागरिकों की जानकारी साझा करते हैं. भारत और पाकिस्तान ने रविवार को अपने एटमी संस्थानों की सूची भी एक-दूसरे से की है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह सिलसिला पिछले 32 साल से चल रहा है. दोनों देश

आपस में परमाणु संस्थानों और सुविधाओं पर हमला नहीं करने के समझौते के तहत यह लिस्ट साझा करते हैं. यह प्रक्रिया नई दिल्ली और इस्लामाबाद में कूटनीतिक माध्यमों से एक साथ पूरी की गई.

भारत-पाकिस्तान के बीच 31 दिसंबर 1988 को यह समझौता किया गया था. इसे 27 जनवरी 1991 को लागू किया गया था और पहली लिस्ट 1 जनवरी 1992 को साझा की गई थी. इसके बाद से हर साल 1 जनवरी को दोनों देश यह लिस्ट साझा करते हैं. भारत-पाकिस्तान के बीच एटमी खतरे को लेकर भी समझौता है, जिसे 2017 में पांच साल के लिए बढ़ाया गया था. यह समझौता एटमी हथियारों से जुड़े हादसों का खतरा कम करने के लिए किया गया था. इस समझौते के तहत दोनों देश अपने क्षेत्र में एटमी हथियारों से हादसा होने पर एक-दूसरे को सूचना देंगे, ऐसा इसलिए, क्योंकि रेडिएशन की वजह से सीमा पार भी नुकसान हो सकता है. यह समझौता 21 फरवरी 2007 को लागू किया गया था. पहली बार इसे 2012 में पांच साल के लिए बढ़ाया गया था.

# ठंड के सितम

*कोहरे और ठंड के सितम के बीच लुढ़कता पारा चिंता बढ़ाने वाली बात है। यहां तक कि मौसम विभाग ने भी उत्तर भारत के कई इलाकों में मौसम के लिये रेड अलर्ट जारी किया है। रविवार को सूरज कम ही नजर आया और कई जगह पारा न्यूनतम सीमाएं छूता रहा। रातें तो रक्त जमाने वाली हैं ही, दिन भी रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। साथ में घना कोहरा वाहन चालकों की जान जोखिम में डाल रहा है।*

मौसम विभाग आज पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में वर्षा, बर्फबारी तथा पंजाब–हरियाणा में शीत लहर चलने की भविष्यवाणी कर रहा है। यूं तो मौसम का चक्र है, गर्मी के बाद बरसात और फिर सर्दी को आना होता है। यह हमारे जीवन चक्र का हिस्सा भी है। बर्फबारी से पहाड़ों पर संचित बर्फ फिर सदानीरा नदियों के माध्यम से ग्रीष्म ऋतु में जीवन बांटती हैं। लेकिन हमारे समाज की आर्थिक विसंगति मौसम के चरम को असहनीय बनाती है। ऐसे में शीत लहर से लोगों का मरना असमानता को दर्शाता है। हर साल जब सर्दी शबाब पर होती है कई लोगों के दम तोड़ने की खबरें आती हैं। खासकर बेघर लोगों पर सर्दी कहर बरपाती है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में सरकारों की लोक कल्याणकारी भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं। एक समय था कि राजा शीत ऋतु में प्रजा के दुख–दर्द जानने निकलते थे। सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था होती थी। रैन बसेरों को बनाया जाता था। लेकिन ऐसी संवेदनशीलता लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधीशों में नजर नहीं आती।

ऐसे में सवाल उठता है कि देश में गर्मी में लू से, बरसात में बाढ़ से तथा सर्दी में शीतलहर से लोगों के मरने की खबरें क्यों आती हैं? निस्संदेह हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पाते हैं। दरअसल, मौसम के इस चरम में मरने वाले एक ही वर्ग के लोग होते हैं, गरीब वर्ग के। इन्हें मौसम का चरम नहीं, गरीबी मारती है। जो हमारे समाज की संवेदनहीनता और आर्थिक असमानता की ओर इशारा करती है। दरअसल, समाज का हर व्यक्ति थोड़ा–थोड़ा योगदान दे तो मौसम के कहर और भूख से कोई न मरे। हमारे घरों में ऐसा बहुत सा सामान, कपड़े व गर्म वस्त्र होते हैं जो हम यदि किसी जरूरतमंद को दे दें तो कुछ जीवन जरूर बचाये जा सकते हैं। आधिकांशतः कोई गरीब नहीं होना चाहता। जमीन से उखड़े और परिस्थितियों के मारे लोग ही गरीबी का दंश झेलते हैं। कुछ अपवाद भी होते हैं,लेकिन आमतौर पर मुसीबत के मारे ही रेलवे व बस स्टेशनों पर रात काटते नजर आते हैं। जिनके प्रति समाज का संवेदनशील व्यवहार अपेक्षित है। ताकि उनके जीवन के अधिकार की रक्षा हो सके। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें प्रशासन और स्थानीय निकाय के अधिकारियों को बाध्य करना चाहिए कि रैन बसेरों की व्यवस्था हो। गरीबों को कंबल व कपड़े स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बांटे जाएं। निश्चित रूप से मौसम का रौद्र रूप मनुष्य की परीक्षा लेता है। यदि हम उसका मुकाबला करने में वंचितों की मदद करें तो कुछ असमय काल–कवलित होने से बच सकते हैं।

# 'बेटी विवाहित होने पर भी बेटी ही रहेगी', सैनिक कल्याण और पुनर्वास विभाग की जेंडर स्टीरियोटाइप मानदंड को कर्नाटक हाई कोर्ट ने किया खारिज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एक विवाहित बेटी एक बेटी की तरह ही रहती है, जिस तरह से एक विवाहित बेटा एक बेटा रहता है, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सैनिक कल्याण बोर्ड के दिशानिर्देश को खारिज करते हुए फैसला सुनाया है, जिसमें द्वारा 25 वर्ष से कम आयु की विवाहित बेटियों को आश्रित पहचान पत्र (आई-कार्ड) जारी करने के लिए अपात्र ठहराया गया है। वहीं, यदि आई-कार्ड जारी किया जाता है तो उन्हें पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित श्रेणी में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने के योग्य बनाता है।

बेटी विवाह के बाद भी बेटी ही रहती है, जिस तरह से एक बेटा विवाह के बाद बेटा रहता है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सैनिक कल्याण बोर्ड के दिशानिर्देश को खारिज करते हुए एक अहम आदेश दिया। बता दें कि कोर्ट का आदेश विवाहित बेटियों को पूर्व रक्षा कर्मियों के बच्चों के लिए आश्रित कार्ड का लाभ उठाने से रोके जाने के संदर्भ में आया है। यदि पुत्र पुत्र बना रहता है, विवाहित या अविवाहित; एक बेटी बेटी ही रहेगी, विवाहित या अविवाहित। यदि विवाह के कार्य से पुत्र की स्थिति में परिवर्तन नहीं होता है; विवाह का अधिनियम बेटी की स्थिति को बदल नहीं सकता है और न ही बदलेगा, 'कर्नाटक एचसी की एकल न्यायाधीश पीठ ने 2 जनवरी को एक आदेश में फैसला सुनाया।

हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी कहा है कि वह बलों में बदलते लिंग समीकरणों के कारण पूर्व रक्षा कर्मियों को पूर्व सैनिकों के रूप में संदर्भित करना बंद करे और पूर्व-सैनिकों के लिंग-तटस्थ नामकरण पर विचार करे। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने यह आदेश सेना के एक पूर्व सैनिक सूबेदार रमेश खंडप्पा पुलिस पाटिल की 31 वर्षीय बेटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया, जो वर्ष 2001 में 'ऑपरेशन पराक्रम' के दौरान खानों को साफ करते समय शहीद हो गए थे।

# नीतीश का बायकॉट कर रहे हैं राजद कोटे के मंत्री!: सुशील मोदी

**पटना (एजेंसी)।** पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सुधाकर सिंह के तीखे बयान और राजद कोटे के मंत्रियों के मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार करने से महागठबंधन में जो महासंग्राम छिड़ा है। वह तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने तक रुकेगा नहीं। सुशील मोदी ने कहा कि अब या तो लालू प्रसाद जद-यू को तोड़कर तेजस्वी को सीएम बनवा लें या नीतीश कुमार राजद से समझौते के मुताबिक तेजस्वी को कुर्सी सौंप कर दिल्ली की राजनीति में चले जाएं। सुशील ने कहा कि नीतीश कुमार जंगलराज शब्द का प्रयोग किए बिना अपनी सभाओं में पहले के दौर की बार-बार याद दिला कर तेजस्वी के माता-पिता के उस शासन पर बहुत महीन तरीके से हमला कर रहे हैं। नीतीश कुमार बार-बार यह कहते हैं- जब लोग शाम के बाद डर से बाहर नहीं निकलते थे। सुशील ने पूछा कि तेजस्वी यादव बताएं कि अगर सब-कुछ ठीक है तो राजद कोटे के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम का बहिष्कार क्यों किया? वे खुद क्यों अनुपस्थित थे? मोदी ने कहा कि जब भाजपा नीतीश सरकार में शामिल थी तब हमारे दल के किसी मंत्री ने कभी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं किया. उन्होंने कहा कि जब सुधाकर सिंह मुख्यमंत्री को शिखंडी और तानाशाह कह रहे हैं तो क्या लालू प्रसाद की जानकारी के बिना सीएम पर ऐसे तीखे हमले हो सकते हैं? अगर महागठबंधन पर बयान देने के लिए केवल लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव अधिकृत हैं तब शिवानंद तिवारी कैसे बयान देते हैं? उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार दोनों के बीच नूरा-कुश्ती चल रही है।

# कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को  दिन में गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि नियमित चेकअप के लिए उन्हें भर्ती कराया गया है। इस दौरान उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा भी उनके साथ रहीं। उनके अनुसार सोनिया गांधी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

# मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा: प्रशांत किशोर

**पटना (एजेंसी)।** जन सुराज यात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने बिहार के नेताओं को चेतावनी देने वाले लहजे में कहा कि अगर मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा। पीके ने कहा कि जब वोट देने की बात आती है तो उस समय हम सबकुछ भूल कर अपने जाति के लोगों को खोजने लगते हैं। बिहार में पिछले 30 साल से लोग सिर्फ चार मुद्दों पर वोट करते जा रहे हैं जिसे अब बदलने की जरूरत है। जन सुराज पदयात्रा के दौरान गरीबा गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने जनता से कहा कि आपको अपने बच्चों का दर्द क्यूं नहीं दिखता? आज बिहार के नेताओं ने जनता के नस में जात-धर्म का ऐसा नशा घुसा दिया है कि आपको आपके बच्चों की फटियाली नहीं दिखती। आप अपने जाति के नेता को जिताने के पीछे अपने भविष्य को दाव में लगा देते हैं पर क्या आपने कभी सोचा कि ऐसा करने से आपको क्या हासिल हो रहा है? जनता को स्वीकारने की जरूरत है कि उन्होंने अतीत में गलती की है।

किशोर ने कहा कि हाथ जोड़ कर बोल रहा हूं कि अपने बारे में नहीं तो कम से कम अपने बच्चों का सोचिए। बिहार की जनता में अभी भी बहुत कुछ बाकी है जिसे हमें दुनिया को दिखाना है। उन्होंने तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार पर हमला करते हए कहा कि आज राजद और जदय के नेता जो बिहार के गरीब लोगों को लूट कर अपना-अपना काम चला रहे हैं अपना बर्थडे चार्टर प्लेन में मना रहे हैं उनसे पत्रकार कभी क्यों नहीं पूछते कि आखिर वो इतना पैसा कहां से ला रहे हैं? खैर! मैंने तो इन पार्टियों के लिए काम भी किया है। पीके ने कहा कि अगर मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा। किसी में दम तो हमको पकड़ के दिखा दे। हमारे हर काम के लिए चेक से पैसा लिया-दिया जा रहा है। आप वर्षों से अलग-आलग पार्टियों को वोट दे रहे हैं। इससे आपको हासिल क्या हो रहा है? आपको आश्वासन और छलावे के अलावा कुछ मिलेगा भी नहीं। अगर आप आने वाले समय में अपनी भागीदारी चाहते हैं तो जन सुराज अभियान में भागीदार बनिए। मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि जमीन से जुड़े हर अच्छे आदमी को मौका दिया जाएगा।

# रिश्वतखोरों और अपराधियों के लिए 'काल' हैं IPS दिनेश एमएन...

## खुद 7 साल जेल में रहे लेकिन नहीं टूटने दिया हौंसला, मेहनत और ईमानदारी ने दिलाई IPS दिनेश एमएन को नई पहचान

**जयपुरः** राजस्थान पुलिस में एक आईपीएस ऐसे हैं, जिन्हें प्रदेश का हर नागरिक जानता है। इसलिए नहीं कि वे ज्यादातर जिलों में एसपी रहे हों या सामाजिक सरोकार वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हों, बल्कि इसलिए कि उनके काम करने का तरीका सबसे अलग है। सभी आईपीएस की जिम्मेदारी भले ही एक जैसी हो, लेकिन दिनेश एमएन की मेहनत और ईमानदारी ने उन्हें नई पहचान दी है। उदयपुर एसपी रहते हुए सोहराबुद्दीन फर्जी एनकाउंटर मामले में दिनेश एमएन को गिरफ्तार किया गया। दिनेश एमएन 7 साल तक जेल में बंद रहे लेकिन उन्होंने अपना हौंसला नहीं टूटने दिया। जेल से छूटने के बाद फिर से पुलिस सेवा में आए और अपने काम की बदौलत नई पहचान बनाई।

### कर्नाटक के रहने वाले हैं दिनेश एमएन

1995 बैच के आईपीएस दिनेश एमएन कर्नाटक के रहने वाले हैं। राजस्थान कैडर ये ऐसे अफसर हैं, जिनकी ईमानदारी पर कोई शक नहीं करता। दिनेश एमएन जिन जिलों में एसपी रहे। वहां के बदमाश इनके नाम से कांपते थे। डर के मारे कई आदतन अपराधियों ने जिले ही छोड़ दिए थे।

### राजस्थान में असली सिंघम के नाम से जाने जाते हैं दिनेश एमएन

राजस्थान में इन्हें असली सिंघम के नाम से जाना जाता है। 1998 में इनकी पहली पोस्टिंग के तौर पर दौसा में एएसपी रहे तो बदमाशों की ऐसी धुनाई की कि उन्हें दौसा छोड़कर भागना पड़ा। बाद में जयपर शहर के गांधी नगर सर्किल के एएसपी रहे। इस सर्किल में राजस्थान विश्वविद्यालय आता है, जहां आए दिन राजनैतिक संरक्षण के चलते गुंडागर्दी होती थी। दिनेश एमएन ने यूनिवर्सिटी के नेताओं का ऐसा इलाज किया कि आज तक लोगों की जुबान पर किस्से चर्चित हैं।

### IPS दिनेश MN ने 2 साल में बीहड़ को डकैतों से मुक्त कराया

दिनेश एमएन वर्ष 2000 से 2002 तक करौली के एसपी रहे तो बीहड़ के जंगलों में डकैतों के खिलाफ अभियान छेड़ा और कई गैंग्स को गिरफ्तार किया। दो साल के कार्यकाल में इन्होंने बीहड़ को डकैतों से खाली करवा दिया।

### सोहराबुद्दीन एनकाउंटर में गिरफ्तार हुए थे दिनेश एमएन

वर्ष 2005 में दिनेश एमएन उदयपुर जिले के एसपी बने। उस दौरान राजस्थान पुलिस और गुजरात पुलिस के ज्वॉइंट ऑपरेशन में सोहराबुद्दीन को एनकाउंटर करके मार गिराया था। बाद में इस एनकाउंटर पर सवाल उठे और फर्जी एनकाउंटर बताते हुए कई पुलिस अफसरों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हुए। आईपीएस दिनेश एमएन सहित कई अधिकारी गिरफ्तार हुए और जेल गए।

### सात साल जेल में रहे IPS दिनेश एमएन

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर की जांच सीबीआई ने की। आईपीएस दिनेश एमएन सात साल तक जेल में बंद रहे। वर्ष 2014 में वे जमानत पर छूटे और वर्ष 2017 में सर्विस के लिए बहाल हुए। इतने लम्बे समय जेल में रहने के बावजूद भी उनका हौंसला बिल्कुल कम नहीं हुआ। एक बार फिर से पुलिस सेवा में आते ही उन्होंने ज्यादा उत्साह से काम शुरू कर दिया।

### जेल से छूटने पर दिनेश एमएन को मिला प्रमोशन, बने आईजी

सोहराबुद्दीन केस में सीबीआई से आईपीएस दिनेश एमएन सहित सभी को बरी कर दिया। जेल से छूटने के बाद फिर से पुलिस सेवा में आए तो उन्हें प्रमोशन मिला और वे आईजी बन गए। एंटी करप्शन ब्यूरो में दिनेश एमएन के आते ही रिश्वतखोरों की नींद हराम हो गई।

### अशोक सिंघवी को 2.5 करोड़ की रिश्वत के साथ किया था गिरफ्तार

एंटी करप्शन ब्यूरो में दिनेश एमएन आईजी रहने के दौरान पहली बार किसी आईएएस अफसर को ढाई करोड़ रुपए की घूस लेते गिरफ्तार किया। दिनेश एमएन के नेतृत्व में वरिष्ठ आईएएस और खान विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक सिंघवी को 2 करोड़ 50 लाख रुपए की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया।

### गैंगस्टर आनंदपाल को ढेर करने में दिनेश एमएन की रही बड़ी भूमिका

गैंगस्टर आनंदपाल सिंह राजस्थान पुलिस के लिए बड़ा सिरदर्द बना हुआ था। आनंदपाल सिंह पुलिस पर हमला करके फरार हो गया था। पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। वर्ष 2017 में यह टास्क दिनेश एमएन को दिया गया, जब वे एसओजी आईजी बने। दिनेश एमएन ने एक स्पेशल टीम बनाई और हर हाल में आनन्दपाल सिंह पकड़ने का निश्चय किया। जून 2017 में एसओजी की टीम ने गैंगस्टर आनन्दपाल सिंह को घेर लिया। उसे पुलिस के हवाले करने की बात कही लेकिन आनन्दपाल सिंह ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आनन्दपाल सिंह ढेर हो गया।

### अब राजस्थान में ACB के एडीजी हैं दिनेश एमएन

वर्ष 2019 से दिनेश एमएन फिर से एंटी करप्शन ब्यूरो में आ गए। फिलहाल वें एसीबी के एडीजी हैं। दिनेश एमएन के नेतृत्व में एसीबी ने प्रदेश के कई आईएएस और आईपीएस अफसरों को रिश्वत लेते गिरफ्तार करके जेल भेजा। रिश्वत लेने के मामलों में पहली बार जिला एसपी और कलेक्टर को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया।

### बैंगलोर में तहसीलदार थे दिनेश एमएन के पिता

पूर्व पुलिस महानिदेशक मोहन लाल लाठर और अपने माता-पिता के साथ पुलिस मुख्यालय में क्ढर दिनेश एमएन की तस्वीर। दिनेश एमएन के पिता नारायण स्वामी बैंग्लोर में तहसीलदार थे। वर्ष 2005 में वे सेवानिवृत्त हुए।

# बिजली चोरी में दी 18 साल की सजा

## लेकिन जज साहब 1 बात कहना भूल गए: CJI

**उत्तर प्रदेश :** उत्तर प्रदेश हापुड़ जिले की एक अदालत ने बिजली चोरी के 9 मामलों में 2-2 साल कैद की सजा सुनाई, लेकिन जज साहब एक बात कहना भूल गए और इस वजह से आरोपी को कई सालों तक जेल में रहना पड़ा. हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप किया और फिर आरोपी को राहत मिली. इसका खुलासा चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने किया और कहा कि कानून की उचित प्रक्रिया में नागरिकों का विश्वास और स्वतंत्रता की रक्षा न्यायपालिका में निहित है, जो 'स्वतंत्रताओं की संरक्षक' है.

### सीजेआई ने सुनाई पूरी कहानी

बंबई बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ व्याख्यान देते हुए इस बात पर बल दिया कि उन उद्देश्यों को निर्भयता से आगे बढ़ाने वाले 'बार' के सदस्यों के जीवन के जरिए स्वतंत्रता की ज्योति आज भी प्रकाशमान है. सीजेआई ने इस दौरान बिजली चोरी के एक मामले का हवाला दिया, जिसमें यदि सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति को 18 साल कैद की सजा काटनी पड़ती.

**सत्र जज कहना भूल गए थे ये एक बात**

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'बिजली चोरी के 9 मामलों में एक आरोपी को सत्र अदालत ने दो-दो साल कैद की सजा सुनाई थी, लेकिन निचली अदालत के न्यायाधीश यह कहना भूल गए थे कि सजाएं एक साथ चलेंगी.' सीजेआई ने कहा, 'इसका परिणाम यह हुआ कि बिजली के उपकरण चुराने वाले व्यक्ति को 18 साल जेल में रहना पड़ता, सिर्फ इसलिए कि निचली अदालत यह निर्देश नहीं दे सकी कि सजाएं एक साथ चलेंगी.'

**सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को दी बड़ी राहत**

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के रहने वाले इकराम नाम के व्यक्ति को बड़ी राहत दी और रिहा करने का आदेश दिया.

इकराम को विद्युत अधिनियम से जुड़े 9 आपराधिक मामलों में उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले की एक अदालत ने दोषी करार दिया था. अदालत ने इकराम को हर मामले में दो साल के कारावास और जुमार्ने की सजा सुनाई थी.

### हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

मामले का हवाला देते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, 'माफ कीजिएगा हम कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि निचली अदालत ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 427 के संदर्भ में ऐसा नहीं किया.' उन्होंने कहा, 'हमें देश के एक सामान्य नागरिक के मामले में कल हस्तक्षेप करना पड़ा. मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे नागरिकों की स्वतंत्रताओं के संरक्षक के तौर पर हम पर विश्वास करिए.

# वो 'आखिरी रेलवे स्टेशन' जहां से पैदल जा सकते हैं विदेश... बंटवारे के बाद वीरान हुआ, फिर बरसों बाद गुजरी ट्रेन

विदेश घूमने का शौक भला किसे नहीं होता! ऐसा सोचते हुए दिमाग में हवाई यात्रा का खयाल आता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में कई ऐसे इलाके हैं, जहां से पैदल विदेश जाया जा सकता है. पड़ोसी देशों से सटे सीमांत इलाकों से ऐसा संभव है. नेपाल का ही उदाहरण लें, जो तीन ओर से भारतीय सीमाओं से घिरा है. बिहार के अररिया जिले में एक जगह है जोगबनी. यह भारत का आखिरी रेलवे स्टेशन है, जहां उतर कर पैदल नेपाल जाया जा सकता है. ऐसा ही एक आखिरी स्टेशन है, सिंहाबाद, जो पश्चिम बंगाल में पड़ता है. भारत के इस आखिरी रेलवे स्टेशन का नाम है सिंहाबाद. यह स्टेशन है पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हबीबपुर इलाके में. इस स्टेशन में वैसे तो कोई भी खास बात नहीं है, लेकिन यह भारत का आखिरी सीमांत स्टेशन है, जो बांग्लादेश की सीमा के करीब है. यह अंग्रेजों के राज का स्टेशन है और

अंग्रेज इस स्टेशन को जैसा छोड़ गए थे, आज भी तस्वीर बहुत बदली नहीं है. स्थित है और बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है.

सिंहाबाद बांग्लादेश के इतना पास है कि लोग कुछ किमी दूर बांग्लादेश पैदल घूमने चले जाते हैं. इस छोटे से रेलवे स्टेशन पर बहुत लोग नहीं दिखते. इस रेलवे स्टेशन का इस्तेमाल मालगाड़ियों के ट्रांजिट के लिए किया जाता है. यहां से मैत्री एक्सप्रेस नाम से दो यात्री ट्रेनें गुजरती हैं. भारत की आजादी के बाद जब देश का बंटवारा हुआ, उसके बाद से इस स्टेशन पर काम बंद हो गया और यह स्टेशन वीरान हो गया था.

<u>मेष राशि :</u> जनवरी महीने में अभी इस राशि पर राहु-केतु का प्रभाव बना रहेगा। ऐसी स्थिति में थोड़ा इस माह इस राशि वालों को सावधानी बनायें रखनी होगी। वाहन आदि सावधानीपूर्वक चलाना होगा। थोड़ी-सी असावधानी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। यद्यपि राहु केतु अचानक धनागम कराने में भी अहम भूमिका निभाते है जिससे जातक को राहत मिल सकती है। इस माह जातक कभी-कभी अधिक धन लाभ के कारण स्थितियों को पटरी पर करने में सफल हो सकता है। घर परिवार में भी अनुकूल वातावरण बनेगा।

<u>वृष राशि :</u> जनवरी माह में इस राशि वालों को थोड़ा सावधानी से कार्य करना होगा। छोटी-छोटी बातों के लेकर अनावश्यक तर्क-वितर्क एवं लड़ाई-झगड़े का योग बन सकता है। इसलिए निरन्तर सक्रिय बने रहें। कोई ऐसी गलती न करें जिससे विषम परिस्थितियों को सामना करना पड़े। स्वास्थ्य पर भी निगरानी बनायें रखें। थोड़ी-सी असावधानी स्वास्थ्य संबंधित बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। घर परिवार में किन्ही-किन्हीं बातों को लेकर क्लेष या मानसिक अशांति की स्थिति बन सकती है लेकिन जातक अपनी सूझ-बूझ से स्थितियों को पटरी पर लाने में सफल हो सकता है।

<u>मिथुन राशि :</u> इस माह राशि स्वामी बुध गुरु के घर में अर्थात धनु राशि में रहेगा। इसलिए इस राशि के जातकों का सामना बुद्धिमान या अपने से उच्च अधिकारियों से हो सकता है। जातक अपनी बात-चीत की कला से अपने से अधिक बुद्धिमान व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है लेकिन उसके तर्क-वितर्क के सामने जातक को कठिनाई महसूस हो सकती है लेकिन जातक अपनी सूझ-बूझ से कार्यों को पटरी पर लाने में सफल हो सकता है। अन्ततः स्थिति को अपने पक्ष में करने में सफल हो सकता है।

<u>कर्क राशि :</u> इस माह इस राशि के जातकों का समय थोड़ा मिलाजुला रहेगा। जहाँ एक ओर सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जातक की लोकप्रियता में वृद्धि होगी। जातक यदि सरकारी नौकरी में होगा तो वरिष्ठ अधिक अधिकारियों का निरन्तर जातक पर बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों में सफलता मिल सकती है। घर परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होने का अवसर मिल सकता है। स्त्री सुख एवं सहयोग की प्राप्ति का योग बन सकता है। अधिक धन प्राप्ति का प्रबल योग है।

<u>सिंह राशि :</u> इस माह की स्थिति मिलीजुली रहेगी। महीने के मध्य तक स्थितियाँ अनुकूल रहेगीं। जातक के कई बड़े एवं महत्वपूर्ण कार्य पटरी पर आयेगें। और जातक की सक्रियता ही बनी रहेगी। सप्ताह के मध्य के बाद सूर्य मकर राशि में जायेगा। जो कि उसका विरोधी ग्रह है जिसके कारण जातक तनाव महसूस कर सकता है। जातक के कार्यों में व्यवधान आने के कारण जातक को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

<u>कन्या राशि :</u> इस माह इस राशि जातकों को थोड़ा मानसिक तनाव से गुजरना पड़ सकता है। इस माह के एक दो सप्ताह तक मानसिक तनाव की स्थिति बनी रह सकती है। तीसरे चौथे सप्ताह से थोड़ी-थोड़ी राहत मिलने लगेंगी इसलिए सतर्कता बनायें रखें। कार्ययोजनाओं को पूरा करने में कठिनाई आ सकती है। अनावश्यक विलम्ब एवं कार्यों के रुक जाने से जातक को तनाव का सामना करना पड़ सकता है इसलिए थोड़ी सावधानी बनायें रखें। क्रोध आदि पर नियंत्रण बनायें रखें।

<u>तुला राशि :</u> इस माह इस राशि के जातकों के लिए समय अनुकूल रहेगा। घर परिवार में खुशी का वातावरण संपन्न हो सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। सुख-सुविधाओं वृद्धि हो सकती है।अच्छे मकान एवं वाहन का सुख जातक को मिल सकता है। इस माह थोड़ा बात-चीत सावधानी से करें नहीं तो किसी बात को लेकर टकराव या अनावश्यक तर्क-वितर्क हो सकता है। इसलिए सावधानी बनायें रखें। सूझ-बूझ से कार्य करें। तभी स्थितियों को पटरी पर लाने में जातक सफल हो सकता है।

<u>वृश्चिक राशि :</u> इस माह इस राशि के जातक का समय अनुकूल रहेगा। भागदौड़ का सकारात्मक परिणाम मिलेगा।खिलाड़ियों के लिए भी स्थितियाँ अनुकूल रहेगी। किसी बड़ी प्रतियोगिता में बड़ी विजयश्री मिल सकती है। घर में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। शनि की साढ़े-साती का प्रभाव अभि थोड़ा बना हुआ है। इसलिए गृह कलाह एवं घरेलू परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपयश आदि जैसी परेशानियों का सामना जातक करना पड़ सकता है लेकिन मध्य माह के बाद साढ़े-साती का प्रभाव खत्म होने लगेगा। जिससे जातक को राहत मिल सकती है।

<u>धनु राशि :</u> इस माह इस राशि वालों का समय लगभग अनुकूल रहेगा। भाग्य जातक का साथ देगा। कार्य योजनाओं का विस्तार देने में जातक सफल हो सकता है। गुरु के मार्गी होने से बड़ी बड़ी योजनाओं को विस्ताह मिल सकता है। पढ़ाई-लिखाई से जुड़े जातकों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा। कई कार्ययोजनाओं को विस्तारित करने में जातक को सफलता मिल सकती है।

<u>मकर राशि :</u> इस राशि पर साढ़े-साती का प्रभाव इस वर्ष बना रहेगा। इसलिए सावधानी बनायें खें। साढ़े-साती का प्रभाव मध्य में रहेगा। बाजूओं से लेकर कमर तक इसका प्रभाव ज्यादा रहेगा। शरीर के इस भाम में परेशानी का योग अधिक बन सकता है। अर्थात भुजाओं में दर्द हृदय संबंधित परेशानी पेट संबंधित परेशानी कमर में दर्द का मांसपेशियों में दर्द जैसी परेशानी का योग बन सकता है। इसलिए इस राशि वाले सावधानी बनायें रखें। उद्योग धंधों में भी संघर्ष बढ़ सकता है।

<u>कुंभ राशि :</u> शनि की साढ़े-साती के प्रभाव के कारण स्वास्थ्य पर थोड़ा विशेष ध्यान देना होगा। स्वास संबंधित परेशानी का योग बन सकता है इसके अतिरिक्त चर्म रोग जैसी परेशानी का भी योग बन सकता है। शनि की साढ़े साती के प्रभाव के कारण जातक के कार्यों में भी विघ्न बाधायें आ सकती है। इसलिए सावधानी बनायें रखें।विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी भी थोड़ा सक्रिय हो सकते है। इसलिए निरन्तर सावधानी बनायें रखें यदि महादशा एवं अन्तरदशा अनुकूल होगी तो जातक के कुछ बड़े एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बन सकते है।

<u>मीन राशि :</u> इस माह इस राशि के जातकों के लिए समय अनुकूल रहेगा। गुरु मार्गी बना हुआ है जिससे स्थितियाँ पटरी पर आयेगीं और जातक के उत्साह में वृद्धि हो सकती है लेकिन चढ़ती साढ़े-साती का प्रभाव भी इस राशि पर पड़ सकता है जिससे जातक को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी एवं चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। चर्म रोग एवं स्वास रोग जैसी परेशानी का योग है। इसलिए सावधानी बनायें रखें। अनावश्यक तर्क एवं मानसिक उलझन के कारण सिर दर्द जैसी परेशानी का योग बन सकता है लेकिन गुरु की अनुकूल स्थिति के कारण जातक की आर्थिक स्थिति लाभप्रद रहेगी।

# खिचड़ी के बिना अधूरा है मकर संक्रांति का त्योहार...

मकर संक्रांति का त्योहार इस बार 14 नहीं बल्कि 15 जनवरी को मनाया जाएगा. इस दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे. मकर संक्रांति को उत्तरायण के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इसके बाद से सूर्य उत्तर दिशा में गमन करते हैं. मकर संक्रांति के पर्व में खिचड़ी खाने और दान करने का विशेष महत्व है. ऐसे में इस त्योहार का एक नाम खिचड़ी भी है. मान्यता है कि खिचड़ी के बिना ये त्योहार अधूरा माना जाता है. शास्त्रों में खिचड़ी को नवग्रह का प्रसाद माना जाता. मकर संक्रांति के दिन इसका उपयोग करने पर जीवन में तमाम तरह के दोष दूर होते हैं. आइए जानते हैं मकर संक्रांति पर खिचड़ी क्यों खाई जाती है और क्या है इसका महत्व, कथा.

**मकर संक्रांति पर खिचड़ी का महत्व**

मकर संक्रांति पर तिल, गुड़, दही चूड़ा के अलावा खिचड़ी खाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. शास्त्रों के अनुसार खिचड़ी में मिलाए जाने वाले जैसे चावल, काली दाल, हल्दी, हरी सब्जियां आदि पदार्थ का अलग-अलग ग्रहों संबंध है. खिचड़ी के चावल चंद्रमा और शुक्र ग्रह की शांति के लिए बहुत लाभकारी है. वहीं काली दाल के सेवन और दान से शनि, राहू-केतु के दुष्प्रभाव समाप्त होते हैं. हल्दी का संबंध बृहस्पति से है. खिचड़ी में घी का संबंध सूर्य से है. खिचड़ी के साथ गुड़ खाने का भी विधान है जिसका संबंध मंगल से है. वहीं हरि सब्जियों का संबंध बुध से है. मकर संक्रांति पर खिचड़ी के उपयोग से नवग्रह की कृपा प्राप्त होती है साथ ही आरोग्य का वरदान मिलता है. मकर संक्रांति पर खिचड़ी का दान करने से हर कार्य में सफलता मिलती है.

**कैसे शुरू हुई खिचड़ी खाने की परंपरा ?**

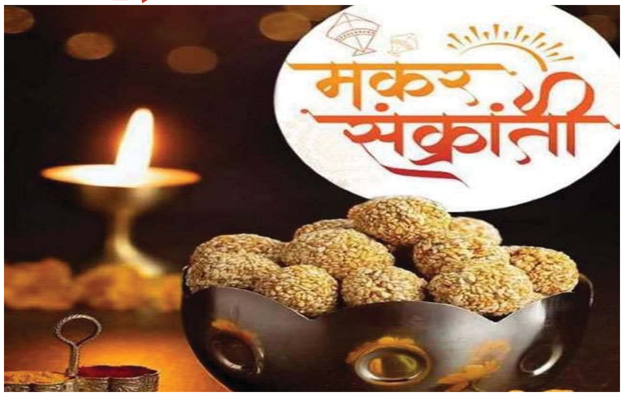


मकर संक्रांति पर खिचड़ी खाने का चलन भगवान शिव के अवतार कहे जाने वाले बाबा गोरखनाथ की कथा है. पौराणिक कथा के अनुसार खिलजी और उसकी सेना से युद्ध लड़ने के कारण नाथ योगी न ही भोजन पका पाते थे, न खा पाते थे. इस वजह से हर दिन योगी अक्सर भूखे रह जाते थे. ऐसे में उनकी शारीरिक शक्ति कमजोर होती जा रही थी. इस समस्या का हल निकालने के लिए बाबा गोरखनाथ ने दाल, चावल और सब्जी को मिलाकर एक पकवान बनाने को कहा, जिसे नाम दिया गया खिचड़ी. इसे बनाने में वक्त भी कम लगता था और इसे खाने के बाद योगी ऊजार्वान रहते थे. हर साल मकर संक्रांति पर बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी का खास भोग लगाया है. यहां खिचड़ी का मेला भी लगता है.

## मकर संक्रांति का फल

एक सूर्य वर्ष में कुल 12 संक्रांति आती है और सभी का अपना अपना फल भी होता है। लेकिन मकर संक्रांति के फल का विशेष महत्व है। आइए मकर संक्रांति 2023 का फल जानें।

इस साल की मकर संक्रांति विद्वान और शिक्षित लोगों के लिए काफी अच्छी रहने वाली है।

व्यापारियों और कारोबारी लोगों को वस्तुओं की लागत कम होने से कुछ लाभ होने की संभावना है।

हालांकि इस दौरान किसी तरह का भय और चिंता बनी रह सकती है।

लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मधुरता आएगी।

अनाज के भंडारण में वृद्धि होगी

इस नव वर्ष पर और मकर संक्रांति के उज्ज्वल पर्व के दिन, आइए जीवन के उज्जवल पक्ष को नई आशाओं के साथ देखें और इस त्योहार को भक्ति, उत्साह और जोश के साथ मनाएं। आप सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं।

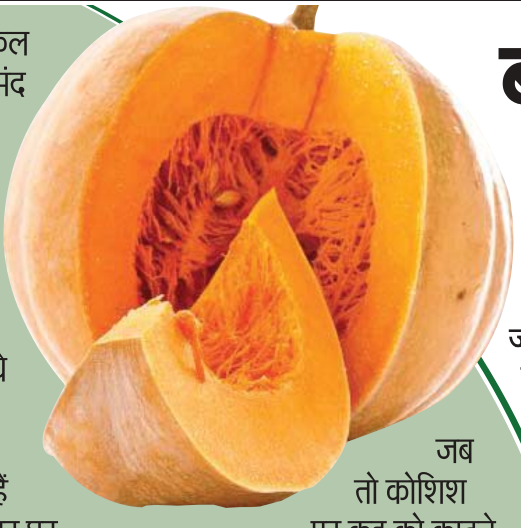

कद्दू की सब्जी वैसे तो आजकल की पीढ़ी को कुछ ख़ास पसंद नहीं आती। लेकिन जिस सब्जी को हम ज्यादा पसंद नहीं करते हैं वे सब्जियां कई गुणों से भरपूर होती हैं। कद्दू की सब्जी में पेट से लेकर दिल तक की कई बीमारियों के इलाज की क्षमता है। सेहत से भरपूर सिर्फ ये सब्जी ही फायदेमंद नहीं है बल्कि इसके बीज भी बेहद कारगर हैं। जब हम बाजार से कद्दू खरीदने जाते हैं तो कोशिश करते हैं कि उसमें बीज न हों, अगर घर पर कद्दू को काटने पर बीज निकल आए तो उसे बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करके आप खुद अपना नुकसान कर रहे हैं, क्योंकि फिर इन बीजों के फायदे आपको नहीं मिल पाएंगे। इस बीजों में कई तरह के कार्बनिक रसायन और न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। जिससे आप अपनी सेहत से जुड़ी कई समस्याएं कंट्रोल कर सकते हैं।

# कद्दू के बीज का फायदे जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

## इन विटामिन से भरपूर है कद्दू के बीज

कद्दू के बीज में फाइबर, कार्बस, प्रोटीन, फैट, विटामिन सी, विटामिन के, फॉस्फोरस, मैग्नीज और मैग्नीशियम पाए जाते हैं जो हमारी सेहत को कई तरह से फायदे पहुंचाते हैं।

## दिल की बीमारियों को करता है कंट्रोल

दिल की बीमारियां इन दिनों दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में जरूरी है कि अपने दिल को हेल्दी रखने के लिए हेल्दी चीजों का सेवन करें। हार्ट अटैक से बचने के लिए आप हर दिन तकरीबन 2 ग्राम कद्दू के बीजों का सेवन करें। इसमें मौजूद पोटेशियम, फाइबर और विटामिन सी हमारे दिल को खतरे से बचाता है।

## जोड़ों के दर्द को करता है छू मंतर

उम्र बढ़ने के साथ साथ इंसान के जोड़ों की तालीफ़ भी बढ़ जाती है। ऐसे में गठिया रोग में राहत पाने के लिए आप कद्दू के बीजों का सेवन कर सकते हैं, क्योंकि ये नेचुरल हर्ब की तरह काम करता और तकलीफ से राहत दिलाता है।

# बीमारियों को खत्म करेगा अनार

जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है तो उसे सबसे पहले अनार खाने की सलाह दी जाती है। शरीर में आयरन की कमी हो या फिर दिल-दिमाग की सेहत की हो बात, अनार सेहत के लिए रामबाण नुस्खा है। अनार में फाइबर, विटामिन के,सी, और बी, आयरन, पोटेशियम, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड और भी कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर रखने में मदद करते हैं। सेहत के लिए इतना फायदेमंद होने के बावजूद कई लोगों को अनार खाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं आखिर कौन से लोग हैं जिन्हें अनार खाने से बचना चाहिए।

## स्किन एलर्जी

अगर आपको एलर्जी की समस्या है तो आपको अनार का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपकी समस्या और बढ़ सकती है। दरअसल, अनार का सेवन करने से शरीर में खून बढ़ता है। ऐसे में अगर आप स्किन एलर्जी होने पर अनार का सेवन करते हैं, तो आपके शरीर पर लाल चकत्ते हो सकते हैं।

## लो ब्लड प्रेशर से परेशान लोग

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लो रहता है, उन्हें भी अनार का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अनार की तासीर ठंडी होती है, जो हमारे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की गति को धीमा कर देती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर की दवाई खाने वाले लोगों को अनार से सेवन से नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि इसमें मौजूद तत्व दवाई के साथ रिएक्ट कर सकते हैं, जिससे शरीर को नुकसान पहुंच सकता है।

## एसिडिटी

एसिडिटी से परेशान लोगों को अनार का सेवन नहीं करना चाहिए। अनार के ठंडे तासीर की वजह से खाना ठीक तरह से डाइजेस्ट नहीं होता है। जिससे की खाना पेट में सड़ने लगता है।

## खांसी से परेशान लोग

अनार की तासीर ठंडी होती है इसलिए, इसका सेवन इन्फ्लूएंजा और खांसी से परेशान लोगों को भी नहीं करना चाहिए। ऐसे लोग अगर अधिक मात्रा में अनार का सेवन करते हैं, तो उन्हें संक्रमण बढ़ने का खतरा भी ज्यादा होता है।

## कब्ज और गैस

कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को भी अनार का सेवन नहीं करना चाहिए। अनार का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र बिगड़ सकता है। इसके अलावा जिन लोगों को गैस की समस्या रहती हैं उन्हें भी अनार नहीं खाना चाहिए, क्योंकि अनार की तासीर ठंडी होने की वजह से यह हमारे शरीर में सही से पच नहीं पाता है।

## किस समय खाना चाहिए अनार

अनार का सेवन सुबह के समय करने से शरीर को काफी फायदा पहुंचता है। अनार में शुगर और विटामिंस भरपूर रूप से होता है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। ऐसे में अनार के फायदे लेने के लिए उसे सुबह ब्रेकफास्ट में जरूर शामिल करें।

# हाई मायोपिया की समस्या से पाएं निजात

डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल में क्लिनिकल सर्विसेज की प्रमुख, डॉ. नीता शाह ने बताया कि पिछले 5 सालों के दौरान किशोरों में गंभीर दृष्टिदोष की वजह से बहुत अधिक पावर वाले चश्मे लगवाने के मामलों में बड़े पैमाने पर वृद्धि हुई है। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल में क्लिनिकल सर्विसेज की प्रमुख, डॉ. नीता शाह जानकारी देते हुए कहती हैं, "पिछले कुछ सालों में तरह-तरह के गैजेट्स और इसी तरह की नजदीक की दूसरी चीजों को देखने की गतिविधियों में बढ़ोतरी, बाहरी गतिविधियों में कमी, और सही मात्रा में पोषण से संबंधित कारकों को ऐसे मामलों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। जब कोविड अपने चरम पर था, तो उस दौरान युवाओं एवं बुजुर्गों दोनों के लिए बाहरी गतिविधियाँ प्रतिबंधित थी, जिसके चलते सभी लोग स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने लगे थे। स्कूलों की पढ़ाई-लिखाई का काम भी फोन पर होता था, क्योंकि हर कोई अपने बच्चे के लिए कंप्यूटर नहीं खरीद सकता था। लोग मास्क का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसकी वजह से स्पष्ट तौर पर आँखों में सूखेपन की समस्या अधिक बढ़ गई थी।

सामान्य तौर पर आइबॉल यानी नेत्रगोलक की अक्षीय लंबाई में बढ़ोतरी की वजह से बहुत अधिक पावर (हाई मायोपिया) की समस्या उत्पन्न होती है। आमतौर पर यह एक वंशानुगत समस्या है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती है। मोबाइल फोन, टैबलेट जैसे गैजेट्स के बहुत अधिक इस्तेमाल की वजह से भी हाई मायोपिया हो सकता है। रिफ्रैक्टिव पावर वाले मरीजों, खासतौर पर बच्चों में ऐसी समस्याओं को नजरअंदाज करने या आँखों की समय-समय पर जाँच नहीं कराने से उन्हें बहुत अधिक पावर लगवाना पड़ सकता है। नियमित रूप से चश्मे का उपयोग नहीं करने से भी पावर में बढ़ोतरी हो सकती है। डॉ. नीता शाह आगे कहती हैं, "हाई रिफ्रैक्टिव की समस्या को फेकिक इम्प्लांटेबल लेंस (फेकिक आई.ओ.एल.) की मदद से ठीक किया जा सकता है। फेकिक आई.ओ.एल. को मरीजों की आँखों के अनुसार कस्टमाइज किया जा सकता है। इसे देखने की क्षमता में सुधार होता है और इस तरह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। फेकिक आई.ओ.एल. मरीजों की आँखों के अनुसार कस्टमाइज होता है। यह पूरी तरह से दर्द रहित और बदलने योग्य प्रक्रिया है, जिसके लिए सिर्फ 5 मिनट की एक सामान्य सर्जरी की जरूरत होती है। इस प्रक्रिया से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके देखने की क्षमता में तुरंत सुधार होता है। इस प्रक्रिया के बाद दोबारा इलाज की जरूरत की दर 1% से कम है, तथा इसके लिए किसी भी तरह की विशेष सावधानी की जरूरत नहीं होती है और इससे आँखों पर किसी भी तरह का जोखिम नहीं होता है। यह मौजूदा दौर की सबसे पसंदीदा तकनीकों में से एक है। अगर मरीज की पावर काफी अधिक है और वह उपचार की LASIK, PRK, SMILE जैसी प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त नहीं है, तो उस स्थिति में यह प्रक्रिया सबसे सही है।"हाई मायोपिया से पीड़ित व्यक्ति अगर अपने चश्मे से छुटकारा पाने के विकल्पों की तलाश में हैं, तो वे रिफ्रैक्टिव की समस्या को ठीक करने के अलग-अलग विकल्पों को समझने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह ले सकते हैं। इसके बाद, रिफ्रैक्टिव की समस्या को ठीक करने के लिए सबसे उपयुक्त प्रक्रिया और तकनीक के बारे में सुझाव प्राप्त करने के लिए किसी रिफ्रैक्टिव सर्जन से सलाह देना उचित होगा। फिर मरीज के इलाज के लिए सबसे सही प्रक्रिया को समझने के लिए आँखों की जाँच की जाती है तथा माप के माध्यम से मूल्यांकन किया जाता है।

# जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म 2024 में

गत वर्ष राजामौली की फिल्म आरआरआर में नजर आए दक्षिण के सुपर सितारे जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म की शूटिंग आगामी महीने से शुरू होने जा रही है। अभी तक इस फिल्म को एनटीआर 30 के नाम से पुकारा जा रहा है। यह फिल्म आगामी वर्ष 5 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इस बात की जानकारी फिल्म के निर्माताओं ने आज इसका एक पोस्टर जारी करते हुए दी, जिसमें फिल्म की शूटिंग शुरू होने के साथ ही प्रदर्शन तिथि भी साझा की गई है। इस फिल्म का निर्देशन कोराताला शिवा करने जा रहे हैं, जो इससे पहले चिरंजीवी रामचरण के साथ आचार्य और जूनियर एनटीआर और मोहनलाल के साथ जनता गैराज दे चुके हैं।

जनता गैराज बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी, जबकि आचार्य बुरी तरह से असफल हो गई थी। आचार्य की असफलता के चलते ही जूनियर एनटीआर 30 की फिल्म में देरी हुई है। पहले इस फिल्म की शूटिंग जून 2022 में शुरू होनी थी और यह 2023 में प्रदर्शन की तैयारियों में थी। फिल्म के निर्माताओं ने एक पोस्टर के साथ एक अपडेट साझा करते हुए, कैप्शन में लिखा है, एक आदमी का रोष साहस नामक बीमारी का इलाज है जूनियर एनटीआर 30 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में, शूट अगले महीने शुरू होगा हैप्पी न्यू वर्ष । जूनियर एनटीआर के प्रशंसक इस घोषणा को लेकर गदगद हैं। जूनियर एनटीआर अपनी इस फिल्म के बाद कन्नड फिल्मों के सुप्रसिद्ध निर्देशक प्रशांत नील के साथ भी एक फिल्म करने की तैयारी में हैं। प्रशांत नील ने अपनी केजीएफ सीरीज के चलते पूरे भारत में अपने प्रशंसकों की संख्या में वृद्धि कर ली है। इन दिनों वे प्रभास को लेकर बनाई जा रही फिल्म सालार में व्यस्त हैं। बताया जा रहा है कि उनकी जूनियर एनटीआर वाली फिल्म में हिन्दी सिनेमा के दिग्गज सितारे आमिर खान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। शिवा ताराकोला की फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर को सौंपी गई है।

# देबिना को बचाने में गुरमीत को लगी चोट

टीवी एक्ट्रेस देबिना बनर्जी तो खबरों में छाई ही रहती हैं। उनके पति और एक्टर गुरमीत चौधरी भी चर्चा का विषय बन गए हैं। न्यू ईयर 2023 की पार्टी से उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उनको चोट लग गई है। अब इसके वायरल होने के बाद यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

साल 2023 का धमाकेदार आगाज हो चुका है। सभी इसे

कोई बाहर जाकर पार्टी करता नजर आ रहा है। इसी बीच एक्टर गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी का भी एक वीडियो सामने आया, जिसमें एक्टर पार्टी के दौरान चोटिल हो गए हैं। वह पत्नी को न्यू ईयर की पार्टी में देबिना को भीड़ से बचा रहे थे कि उसी दौरान उनके साथ ये हादसा हो गया। अब वो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे गुरमीत चौधरी और देबीना के तमाम फैन्स उनके साथ फोटोज क्लिक करना चाहते हैं। इस दौरान में गुरमीत के पैर में खरोंच आ गई। जहां गुरमीत ने नियॉन स्टेटमेंट जैकेट पहनी थी, वहीं देबिना लाल साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वीडियो के अनुसार, दोनों को सुरक्षाकर्मियों के साथ कार्यक्रम से बाहर निकाला गया। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, कई लोगों ने गुरमीत की तारीफ की तो कुछ ने उनकी चोट का मजाक उड़ाया।

**-गुरमीत की चोट का लोगों ने बनाया मजाक**

## हनी सिंह का छलका दर्द

# मैं मरने की दुआ मांगता था : हनी सिंह

बॉलीवुड सिंगर हनी सिंह ने इंडस्ट्री को कई हिट गाने दिए हैं। लंबे समय बाद वापसी करने के बाद वह एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने मेंटल हेल्थ पर बात की। बताया कि वह कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया। वह कैसे ठीक हुए और उन्हें इस बारे में पता कैसे चला। देश के जाने माने रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह से आप सभी वाकिफ हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई हिट गाने दिए हैं। वो बात अलग है कि उनके उसी हिट ट्रैक पर जबरदस्त कॉन्ट्रोवर्शी भी हुई है। हालांकि कभी उससे वह डगमगाए नहीं लेकिन एक बार कुछ ऐसा हुआ जिससे वह मरने की दुआ मांगने लगे थे। इस बात का खुलासा

# चलती ट्रेन में महिला से छेड़छाड़

## शोर मचाने पर लोगों ने आरोपी को पकड़ पुलिस को सौंपा

**पालघर :** महाराष्ट्र के पालघर में एक लोकल ट्रेन में एक 27 वर्षीय व्यक्ति द्वारा एक महिला यात्री से कथित तौर पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. बृहस्पतिवार को रेलवे पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार रात को हुई जब महिला लोकल ट्रेन से दादर से पालघर के विरार जा रही थी. यात्रा के दौरान महिला ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में बैठी हुई थी. आरोपी रफीक मोहम्मद इसाक शेख भी उसी कोच में था.

**आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज**

पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार जब ट्रेन नालासोपारा स्टेशन पर

पहुंची तो आरोपी रफीक कथित तौर पर महिला पर भड़क गया और उसने गलत तरीके से उसे छुआ. महिला के शोर मचाने पर साथी यात्रियों ने उसे पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया. आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (एक महिला की मयार्दा को भंग करना) और 354अ (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है.

**मुंबई में हाल फिलहाल में सामने आए छेड़छाड़ के कई मामले**

बता दें कि महाराष्ट्र मे हाल फिलहाल में महिलाओं से छेड़छाड़ के कई मामले सामने आए हैं. इससे पहले नई साल की पूर्व संध्या पर मुंबई के एक फाइव स्टार होटल में एक 29 वर्षीय डांसर द्वारा एक 12 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था. लड़की की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था. पुलिस ने बताया कि लड़की से छेड़छाड़ के दौरान आरोपी नशे में था.

**एक महीने पहले दक्षिण कोरियाई यू-ट्यूबर से हुई थी छेड़छाड़**

एक महीने पहले मुंबई में एक दक्षिण कोरियाई व्लॉगर और यू-ट्यूबर से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था. इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें बाद में मुंबई की एक कोर्ट ने जमानत दे दी थी. जिस समय महिला के साथ छेड़छाड़ हुई उस दौरान वह खार में एक सड़क पर लाइव स्ट्रीमिंग कर रही थी. बांद्रा की एक कोर्ट ने दोनों को 15000 रुपए के नकद मुचलके पर जमानत दी थी और जांच में पुलिस का सहयोग करने के निर्देश दिये थे.

# नितिन गडकरी का एलान!

## नए साल में आधे दामों में खरीद सकेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

इलेक्ट्रिक व्हीकल का ट्रेंड आजकल लगातार बढ़ते जा रहा है। ऐसे में लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल को खरीदने की तरफ ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। लेकिन फिलहाल इलेक्ट्रिक व्हीकल की कीमत डीजल पेट्रोल वाहन की मुकाबले काफी अधिक होती है जिसकी वजह से लोग चाहते हुए भी नही खरीद पाते हैं। हाल ही में नितिन गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहन को लेकर एक ऐलान किया है.

**आधे दामों में खरीद सकेंगे इलेक्ट्रिक वाहन**

जैसा कि आप सभी जानते हों हमारी सरकार तरफ से ईवी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए कई सारे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं ।केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहन को लेकर ये कहा है की अगले वर्ष तक इलेक्ट्रिक व्हीकल के दाम को काफी कम कर

दिया जाएगा। आप यूं कह सकते हैं की ईवी की कीमत बिल्कुल आधी हो सकती हैं। कई राज्यों में सब्सिडी देने के बाद से इलेक्ट्रिक वाहन की खरीददारी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। हाल ही में नितिन गडकरी ने फ्लेक्स फ्यूल, इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन व्हीकल समेत स्वक्ष ऊर्जा से चलने वाले वाहन की खरीददारी पर बैंक से कम ब्याज दर पर लोन लेने के लिए बात कही है। नितिन गडकरी जी द्वारा अब तक कई ऐसे योजनाएं भारत में लाई गई है, और साथ ही उन्होंने कई घोषणा के दौरान यह बात उन्होंने साफ कर दिया है, कि आने वाले वक्त में भारत में स्वच्छ इंधन से चलने वाले ई वाहन नजर आएंगे। यह देश के हित में और पूरी दुनिया के हित में हो सके और हमें एक साफ और स्वच्छ पर्यावरण मिल सके।

# मुंबई मनपा गट के नेता विनोद मिश्रा के कर कमलों द्वारा मेट्रो दिनांक कैलेंडर का विमोचन संपन्न...

**मुंबई :** मुंबई में नए वर्ष के शुभ अवसर पर मेट्रो दिनांक समाचार पत्र का 16 वां वार्षिक कैलेंडर विमोचन मुंबई मनपा भाजपा गट के नेता के कार्यालय में संपन्न हुआ इस शुभ अवसर पर मुंबई मनपा गट के नेता श्री विनोद मिश्रा के कर कमलों द्वारा कैलेंडर का विमोचन और प्रधान संपादक दीनानाथ तिवारी का जन्मदिन, विनोद मिश्रा के साथ केक काटकर मनाया गया इस अवसर पर मेट्रो दिनांक समाचार पत्र की मुद्रक प्रकाशक श्रीमती मंजू तिवारी मेट्रो दिनांक समाचार पत्र के संरक्षक राम कुमार पाल के अलावा वरिष्ठ पत्रकार शिव शंकर तिवारी, ओपी तिवारी, संतोष तिवारी, अरुण गुप्ता, रोहित जयसवाल,पूजा पांडे, शिव प्रकाश सोनी, नवीन पांडे, प्रवीण राजगुरु, सत्य प्रकाश सोनी, राजेश

पाल, लव कुश तिवारी, राजेंद्र पाल, सुरेश वाकडे, निलेश पांडे, जयेश गोहिल, सुरेश वाकडे, बृजेश सिंह, बबलू मिश्रा, अष्ट आनंद पांडे, प्रमोद यादव, विनोद नायक, उपेंद्र पंडित, कंचन तिवारी, पूजा कामले के अलावा भाजपा की वरिष्ठ महिला पदाधिकारी नूतन सिंह, भारती भिंडे, शैलेंद्र दुबे, मुन्ना सिंह, संतोष यादव, दरोगा तिवारी, केशव भाई, राम कुमार विश्वकर्मा, के अलावा मेट्रो दिनांक समाचार पत्र व मेट्रो दिनांक टीवी न्यूज के शुभचिंतक पाठक लोग भारी संख्या में उपस्थित थे.

# नायलॉन का मांझा बेचने वाले कारोबारियों पर कार्रवाई के लिए विशेष पुलिस स्क्वाड का गठन

**लातूर :** महाराष्ट्र के लातूर जिले में पुलिस ने प्रतिबंध के बावजूद पतंग उड़ाने में इस्तेमाल होने वाले नायलॉन मांजा बेचने वाले कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक विशेष दस्ते का गठन किया है। 14 जनवरी को मनाए जाने वाले 'मकर संक्रांति' त्योहार के दौरान देश के कुछ हिस्सों में बड़ी संख्या में लोग पतंग उड़ाते हैं। सरकार ने नाइलॉन मांझे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

लगा दिया था क्योंकि इससे पक्षियों, जानवरों और इंसानों की जान को खतरा था।

**सरकार के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई**

अधिकारी ने कहा कि यह पता चलने के बाद कि कुछ दुकानदार ऐसे धागों का भंडारण और बिक्री कर रहे हैं, लातूर पुलिस ने बुधवार को सरकार के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक विशेष टीम गठित करने की घोषणा की।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www.maharashtracrimes.in / www.maharashtracrimes.blogspot.in Email : editor@maharashtracrimes.in / maharashtracrimes@gmail.com